श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर स्कूल, मंगलुरु

कार्य पत्रक - 3

दसवीं कक्षा **कर चले हम फिदा**

<u>निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए</u>

1. फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया- 'बढ़ते कदम' का क्या अर्थ है

क) शत्रु को खेदेड़ने के लिए उठते कदम ख) जान बचाने के लिए उठते कदम

ग) सीमा पार करने के लिए उठते कदम घ) चलने की कोशिश करते कदम

2. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' का अर्थ है

क) हिमालय पर कब्जा नहीं होने दिया ख़) प्राणों की कुर्बानी देकर देश की रक्षा की

ग) मनुष्यता घ) शत्रु देश पर आक्रमण न कर सके

3. इस कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?

क) भारत-पाक युद् ख) भारत-चीन युद्ध ग) स्वतंत्रता संग्राम घ) आतंकवाद से संघर्ष

4. 'अब तुम्हारे हवाले' में 'तुम्हारे' किसके लिए आया है?

क) कवि के लिए ख) नेताओं के लिए ग) अन्य सैनिकों के लिए घ) देशवासियों के लिए

5. 'मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो' का अर्थ है

क) जवानों में साहस और वीरता की कमी नहीं थी ख) वे शत्रु के लिए टेढ़े अर्थात बाँके हैं

ग) बर्फीले पहाड़ों पर उनके शरीर अकड़ गए घ) उनके साथियों का स्वभाव टेढ़ा था

6. धरती की तुलना दुल्हन से क्यों की गई है?

क) क्योंकि वह मातृभूमि से प्यार नहीं करता ख) क्योंकि उसे मातृभूमि अत्यधिक प्रिय है

ग) क्योंकि वह धरती को अपनी माता मानता है घ) इनमें से कोई नहीं

7. हुस्न और इश्क दोनों को कौन रुस्वा करता है?

क) जो अपने प्रियतम की बात नहीं मानता ख)जो सैनिक मातृभूमि के लिए अपना बलिदान देते हैं

ग) जो सैनिक अवसर आने पर बलिदान नहीं देता घ) उपर्युक्त सभी

8. 'साथियो' संबोधन किसके लिए किया गया है?

क) शत्रुओं के लिए ख़) नेताओं के लिए ग) बच्चों के लिए घ) देशवासियों के लिए

9. 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो' का आशय स्पष्ट कीजिए।

क) देश के लिए मरने वाले वीरों की कमी नहीं होनी चाहिए। ख़) कुर्बानियों के रास्ते वीरान हों

ग) बलिदानियों के रास्ते सूने पड़े रहें घ) कुर्बानी देने वाले वीरों की कमी होनी चाहिए

10. कवि अपने साथियों को क्या सलाह देता है?

क) शत्रु से डर कर भाग जाने की ख) सिर पर कफ़न बाँधने की

ग) शत्रु का मुकाबला न करने की घ) शत्रु से हार मान लेने की

11. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया'- पंक्ति में 'सर' किसका प्रतीक है:-

क) घमंड ख) सिर ग) स्वाभिमान घ) पराक्रम

12. पद्यांश में ' बांकपन ' शब्द प्रतीक है:-

क) अद्भुत ख) वक्ता ग) छवि (घ) बेमिसालपन

13.. धरती के दुल्हन बनने से तात्पर्य है:-

क) बलिदान से गौरवान्वित हुई है ख़) दुल्हन की भांति शर्मा रही है।

ग) सैनिकों के खून से नहा गई है घ) दुल्हन की भांति अपने प्रियतम की आस देख रही है

14. सर पर कफ़न बांधने का अर्थ है:-

क) अपने लिए जान की बाजी लगाना। ख) बलिदान के लिए तैयार होना।

ग) मरने की कोशिश करना। घ) लोगों को दिखाना की हम मरने से नहीं डरते

15. 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो'- का क्या तात्पर्य है?

क) सैनिक सोच-समझकर आगे बढ़ें। ख) बलिदानी सैनिक आगे बढ़ने की सोच में रहें

ग) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे घ) सैनिक देश के बारे में सोचते रहे.

16. सैनिक किसे सजाने के लिए कहते हैं?

क) भारत माता को ख) देश की कुर्बानियों को

ग) जश्न मनाने वालों को। घ) बलिदानी सैनिकों के जत्थों को

17. 'फतह का जश्न' से तात्पर्य है-

क) जीत की खुशियाँ ख) जीत जाने की खुशियाँ

ग) आगे बढ़ने की खुशियाँ घ) मृत्यु की खुशी

18. 'सिर पर कफ़न बाँधने' का किस ओर संकेत है?

क) जीवित रहने की ओर ख) देश पर बलिदान की ओर

ग) सिर पर मुकुट बाँधने की ओर घ) सिर बचाने की ओर

19. 'काफ़िले' शब्द का अर्थ है-

क) यात्रियों का समूह. ख) कायरों का गिरोह ग) बलिदानियों का झुंड घ) वीरों का समुदाय

20. काव्यांश की पृष्ठभूमि में कौन-सी ऐतिहासिक घटना है?

क) भारत-बांग्लादेश युद् ख) भारतीय स्वाधीनता संग्राम

ग) भारत-पाक युद्ध. घ) भारत-चीन युद्ध

21. "खूँ से ज़मी पर लकीर" खींचने का आशय है-

क) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना ख) दुश्मन पर हमला करना

ग) सीमाओं पर रक्तपात करना। घ) मातृभूमि की रक्षा को तत्पर रहना

22. "रावण' का प्रतीकार्थ है-

क) राम का विरोधी ख) भारत के शत्रु ग) आक्रमणकारी घ) देशद्रोही

23. "सीता का दामन' से तात्पर्य है-

क) भारतीय सांस्कृतिक परंपरा ख़) देश का स्वाभिमान

ग) मातृभूमि का सम्मान घ) देवी-देवताओं की मर्या

24. "राम भी तुम तुम्हीं लक्ष्मण साथियो" कथन से कवि का संकेत है-

क) तुम्हें राम भी बनना है और लक्ष्मण भी

ख) तुम्हें युद्ध भी करना है और रक्षा भी

ग) तुम्हें नारी के सम्मान की भी रक्षा करनी है और मर्यादा की भी

घ) तुम्हें भारतीयता को भी बनाना है और सीमाओं को भी